58

आदिवासी बच्चों की मातृबोली से शिक्षा हेतु शिक्षण सामग्री

बिरहोर जनजाति
बोली - बिरहोर

जिला - कोरबा

प्रस्तावना

छत्तीसगढ़ आदिवासी बहुल राज्य है, तथा यहां पर 146 विकासखंड में 85 विकासखंडों को आदिवासी विकासखंड का दर्जा प्राप्त है । जहां भारत की कुल जनसंख्या का लगभग 8 प्रतिशत प्रतिनिधित्व आदिवासियों का है । छत्तीसगढ में यह लगभग 32 प्रतिशत है । जो कि संपूर्ण भारत की तुलना में 4 गुना अधिक है ।

छत्तीसगढ़ में उत्तर, दक्षिण एवं उत्तरपूर्वी जिले आदिवासी बहुल जिले हैं । यहां कुल 42 प्रतिशत आदिवासी जन जातियां है, जिनमें से प्रमुख है – हल्वा, गोंड, मुरिया, मारिया, मुंडा, कंवर, बैगा, कमार, सांवरा, उरांव एवं बिरहोर आदि निवासरत हैं ।

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में विशुद्ध रूप से आदिवासी जनजातियों की बहुतायत है । यहां प्रमुखतः कंवर, गोंड, बिरहोर, उरांव एवं पहाड़ी कोरवा हैं । इनमें से बिरहोर की बोली बिरहोर पर कार्य हो रहा है । वर्तमान में बिरहोर पाठ्यक्रम का निर्माण का कार्य प्रारंभिक स्तर पर कार्यशाला के माध्यम से कोरबा जिला से तैयार किया जा रहा है । बिरहोर की वर्णमाला, पाठ एवं कहानियों का संग्रह किया जा रहा है ।

बिरहोर जनजाति – एक परिचय

बिरहोर जाति का शब्दिक अर्थ– बिर अर्थात जंगल होर अर्थत आदमी । इस प्रकार बिरहोर का अर्थ हुआ – जंगल में रहने वाला आदमी ।

कोरबा जिले के 5 विकासखण्डों में से 3 विकासखण्ड– कोरबा, करतला एवं पोंड़ी उपरोड़ा के वनांचल में बिरहोर जनजातिनिवासरत है । इस जनजाति की बसाहट आबादी की बस्ती से हटकर वीरान जंगलों में रहतीहै । प्रारंभ से ही बिरहोर जनजाति पिछड़ा एवं उपेक्षित रहा है, जीवन की मुख्यधारा से अपने आप को जोड़ पाने में आज भी असमर्थ है । अशिक्षित एवं अभवग्रस्त होने के कारण दयनीय स्थिति मे जीवन यापन करते हैं ।

(1) **गांव की बसाहट**– कोरबा जिले के कोरबा, करतला एवं पोंडी उपरोड़ा विकासखण्डों के लगभग 45 गांव में ये निवासरत हैं । प्रत्येक गांव में परिवारों की संख्या 15–20 से लेकर 35–40 तक है ।

(2) **जनसंख्या**– जिले में लगभग इनकी जनसंख्या 10000 है ।

(3) **शिक्षा के प्रति धारणा**– पूरी तरह जंगलों पर आधरित बिरहोर जनजाति सिर्फ रोटी की ही तलाश में अपना जीवन व्यतीत कर देता है । शिक्षा के प्रति इनके बीच कोई रूझान नहीं है । प्राथमिक शालाओं तक शिक्षा प्राप्त करते–करते इनके बच्चे शाला त्यागी हो जाते हैं । पूर्व माध्यमिक स्तर तक शिक्षा प्राप्त किये बालक–बालिकाओं की संख्या कोरबा जिले में 5 बालक एवं 2 बालिकाएं है । कोरबा जिले में आज पर्यन्त बिरहोर जाति का एक भी कर्मचारी व अधिकारी नौकरी में नहीं है । शिक्षा के बढ़ते प्रचार व प्रसार के कारण अब इस जनजाति में भी शिक्षा के प्रति पहले की तुलना में सकारात्मक सोच उत्पन्न हो रहे हैं अब

वे भी मानने लगे हैं कि रोटी की जुगाड़ के साथ–साथ बच्चे की शिक्षा भी जरूरी है । प्रौढ़ शिक्षा का प्रतिशत निरंक है ।

(4) **मुख्य व्यवसाय**– इनका मुख्य व्यवसाय बांस की टोकरी, सूपा, झौंरहा बनाना है । वृक्ष के छाल से रस्सी बनाने का काम इनके द्वारा किया जाता है । स्थायी रूप से बसाहट न होने के कारण कृषि हेतु इनके पास अपनी जमीन नहीं है । इनके द्वारा मुर्गी एवं बकरी पालन का कार्य भी किया जाता है । जंगलों से मौसमी फल जैसे महुवा, चार, तेंदू, गोंद एवं लाख आदि एकत्रित कर बेचते हैं ।

(5) **प्रमुख त्यौहार**– समाज में मनाये जाने वाले सभी त्यौहार मनाया जा सकता है किन्तु निर्धनता में जीवन यापन करने के कारण ये मुख्य रूप से नवाखानी एवं होली त्यौहार ही मानते हैं ।

(6) **प्रचलित मान्यताएं**– बिरहोर जनजाति के द्वारा मुख्य रूप से बूढादेव एवं बूढ़ी माता की उपासना की जाती है ।

बच्चे के जन्म के समय की एक विशेष परंपरा इनके बीच पाई जाती है । होने वाले बच्चे के पिता एवं परिवार के छोटे सदस्यों के द्वारा घर के सामने होने वाली माता के लिए प्रसव हेतु झोपड़ी बनाई जाती है । प्रसव से लेकर बच्चे की नाल सूख कर गिरने तक जच्चा एवं बच्चा उसी झोपड़ी में रहते हैं । यदि पुत्री पैदा हुई तो तीन महीने तक जच्चा घरेलू कार्य नहीं करती । पुत्र होने पर 5 महीने तक गृह कार्य नहीं करती हैं । तीन एवं पांच महीने बाद ही जच्चा को घर में खाना बनाने दिया जाता है । इसी तरह महिला के मासिक धर्म के दौरान भी घरेलू कार्य करने की मनाही होती है । इस परंपरा को वे बखूबी निभाते आ रहे हैं ।

(7) **शासन द्वारा संचालित योजनाएं**– अशिक्षा के कारण बिरहोर जनजाति अपने अधिकारों एवं शासन द्वारा जी जाने वाली सुविधाओं से वंचित है । स्थायी रूप से बसाहट हो इसके लिये शासन द्वारा संचालित इन्दिरा आवास योजना का आंशिक लाभ ही इन्हें मिल पा रहा है । जीवन स्तर सुधारने हेतु बकरी पालन

योजना शासन द्वारा दी जा रहा रही है । पानी की कमी को दूर करने के लिए नलकूप की व्यवस्था शासन द्वारा की जा रही है । समय–समय पर विशेष कारीगर बुलाकर इन्हें बांस के विभिन्न सामग्रियों के निर्माण का प्रशिक्षण दिया जा रहा है ।

–प्रस्तुति:–

श्रीमती एच.एस. लकरा
व्याख्याता
आदिवासी शिक्षा प्रभारी
(डाईट) कोरबा

होड़कू ठेपेकन नुते

अले बिरहोर कू रे सेही बिरहोर कू वरि चिकसी अले बिर रे वरि ले, थइनतना आउ बिर वरि बेशो ले आदयतना । कोरबा जिला रे 5 विकास खण्ड रे 3 पईया–कोरबा, करतला आउ पोंड़ी उपरोड़ा रे, बिर रे बिर धरी धरी ते ले डेरा नोह केना, अलेरेरहई बसई दिकू अतु अते, एटारे ले चइनतना, जे थेरे जहांए का सेन जबी लयक रे ले । सला कून ओड़ह ले बइततना बिर रे वरि नंग अते ले थइतना तन्तेहर कोरे जम्मा तेयम, जाति ले होयनते, जीव रे मुखिया होरा रे कले जोड़ा पान तन्ते हर, नेधार घला अरीले जोड़ाना । कले एतुई होट अ गेते कई बखड़ते का एतुनतन्ते वरि एना लेंगत रे अह, रकेनते इंगका वरि जीव ले पाला तन्ते । अतु रे डेरा केनकू । कोरबा जिला रे, लटपट 45 आतुरेहीड़कू इदनकूवा । जिसे कि कोरबा करतला आउ पोंडी उपरोड़ा रे गांव रे कू डेरा नोह केना । अतु धरी धरी ते तहां जम्मा बि रे धुरूरेकू डेरा सुबुद केना ।

अनतेसी लगभग जनसंख्या रे अदो, 15 अते 20 झोड़ परवार ककूथइनतना, ए सूवरि कू थइना नीच्टर कू चइना 35 अते 40 ओड़ह मिअतुरे होडकू । म्हीतन एसू संख्या रे जहां रे बंगकूवा । पढान लिखान लेंगत ने जहांए का हावडीर, हावड़ीए घला, होड़ लिहिक कू पेहली अते दुसरी वरि सेनता सेनता कू बगी केतना । आठमीजहू पढा केनकू कोडा लिहिक कोडीलिहिक कू कोडा लिहिक कू 5 कोंड आउ कोडी लिहिक किन बाहोड़ इनन कूवा । कोरबा जिला रेनकू मियन घला कर्मचारी अधिकारी नौकरी रे जहांए बंगकूवा । नेघार कू होडीहोड़ी कू होटअ एतु लेलतुर तनसी कू रीजनोगूतना । कोरबा जिला रे बिरहोर कू लटपट 10,000 हदन कूवा ।

अब होड़ कू हो कू ठेका केदा लहीकते कू लोड़ीया जोवतनसी लिहिक कू पढा कू लेंगतते कू रडाकू कूतना ।

मुखिया धन्ध मना रे सावहा टुकनी हटअ आउ बहेर कूबईतना । मिथेरे ककू डेरन जथन किसानी बुता बनूबा आउ ओते हो एसू का थइन तना । बिरहार कू सीम मेरोम कू वरि कू असूल तना ।

प्रमुख तिहार समाज रे जम्मा तिहार ले मनातना रंगे होड़ जयन के नवा तिहार आउ करम होरी कू मनातना ।

प्रचलित मान्यताएं – बिरहोर जाति कू मुखिया बोंवा बूढ़ादेव आउ बूढ़ीमाता रे उपास कूथइन तना ।

बिरहोर जाति रेनकू कोड़कू छवारियन तन तहां ओड़ह अते एटअ रे झलाकू बइतना जे बोलअ अपूनतनी झला एटरेअ बइतना । जभे बोलअ रे बोके झला रे जोकेंजा तभे अ उम बोलोतना किन एघन । कोड़ी लिहिक होयन्ते चएर मेहना रे चटू कू सबतना अगर कोड़ा लिहिक होय लेन तहां पांच मेहना रे चटू कू सब तना । नेन लेका होड़कू रे नियम इदना है ।

कोड़कू रे मेहना मुड़मइली रे अदो जभे अ नड़का अमीनउँअ उमअमीनउँ आ तभे ओड़ह रे चटू लोंडी अ छूवाअ । अ बूतअ अया ओड़ह रे ।

शासन अते लटपट भी थेरे थइन लेंगत ते सरकार होड़कू अ एमा तन्ते आवास मोरोमकू पलाते दआ बोरिंग रे बेबस अ करा तना । अगुनिमीन सुभिधा वरि कू पान तना आउ अरी ।

कू पा भेटाना नोहते । एना लेंगत ते होड़कू पोट पे होट एतुई, पे वखड़ एतुर्र मना बड़हई ते अ सिखा कू तना सरकार ।

बिरहोर वर्णमाला

स्वर वर्ण	अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
बिरहोर शब्द	अआ	आके	इपिल	ईटा	उरी	ऊली	
हिन्दी शब्द	धनुष	टंगिया	तारा	ईट	गाय	आम	
स्वर वर्ण	ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	
बिरहोर शब्द	एरा	ऐना	ओड़ह	औंरा	अंगुर		
हिन्दी शब्द	औरत	दर्पण	घर	आंवला	अंगुर		
व्यंजन वर्ण	क	ख	ग	घ	ङ		
बिरहोर शब्द	कटकोम	खरहा	गनल	घड़ी			
हिन्दी शब्द	केकड़ा	खरगोश	चींटी	घड़ी			
व्यंजन वर्ण	च	छ	ज	झ	ञ		
बिरहोर शब्द	चटू	छता	जली	झंडा			
हिन्दी शब्द	मटका	छाता	जाल	झण्डा			
व्यंजन वर्ण	ट	ठ	ड	ढ	ण		
बिरहोर शब्द	टपरी	ठरकी	डमरू	ढकना			
हिन्दी शब्द	घंटी	घंटा	डमरू	ढक्कन			
व्यंजन वर्ण	त	थ	द	ध	न		
बिरहोर शब्द	तरूत	धन	तदरोम	धरू	नइ		
हिन्दी शब्द	चीता	थन	हंसिया	पेड़	नदी		
व्यंजन वर्ण	प	फ	ब	भ	म		
बिरहोर शब्द	परकोम	फरिया	बना	भटा	मना		
हिन्दी शब्द	खाट	कपड़ा	भालू	भटा	बांस		

व्यंजन वर्ण	य	र	ल	व	स		
बिरहोर शब्द	यग	रक्सी	लहिज	वसन	सकम		
हिन्दी शब्द	यज्ञ	सफेद कुम्हड़ा	पेट	गर्म	पत्ती		
व्यंजन वर्ण	ह		श	ष	क्ष	त्र	ज्ञ
बिरहोर शब्द	हकू						
हिन्दी शब्द	मछली						

बिरहोर की शब्दावली

किया

क्रं.	हिन्दी	बिरहोर
1	प्रातः सोकर उठना	सेतारे विरिट केन सी दुपकेन
2	पानी पीना	दआनूते
3	मुंह घोना	अपकोते
4	शौच किया	इको तिंग ते
5	दातून करना	मुखारी को तिंग ते
6	चाय पीना	चाहा नूते
7	नाश्ता करना	मड़ी नो जोम को
8	नहाना	उन कोते
9	पूजा करना	बोंऑकू दहड़मक्कू
10	कसरत	एनी सेतारे अ उचगू पेटेजू तना
11	व्यायाम	व्यायामकोष
12	भोजन करना	जोम को ते
13	कंघी करना	नकी को ते
14	तेल लगाना	सुनुम ओजो को ते
15	पैदल चलना	ओतेते
17	गुरूजी को प्रणाम	गुरूजी को प्रणाम
18	बस्ता	झोला
19	प्रार्थना करना	दहड़ंग
20	कक्षा में बैठना	दुबम
21	पढ़ाना	पढ़ानम
22	लिखना	लिखैतना
23	सुनना	अजोम एतंते

24	देखना	लेलतन
25	याद करना	हेजातनी
26	रटना	सिहवा गेतनी
27	बैंठना	दुबम दा
28	उंघना	दुडुम ते
29	उल्टी करना	उलाय तन्नी
30	बांधना	तोलकी तेकू
31	मांगना	कोय तनी
32	चीखना	चीख बिडोएब
33	चिल्लाना	रगे तनी
34	पेंट शर्ट पहनना	जमा को तेईन तोड़ा तेईन
35	मस्ती करना	मरंगू तन्नी दो
36	बहस करना	जोगायन तन्नी
37	रोना	इयोम तन्नी
38	दोपहर छुट्टी	तिकिन नीयना नहा दोपे ओयेजम
39	घंटी बजाना	घंटी सड़ीनतना जुपे
40	शिक्षक का कक्षा में आना	गुरूजी ओयन्नी
41	पढ़ाना	गुरूजी पढ़ाकू तनाय
42	पीटना	हुमागी
43	डांटना	बखड़ बोरो व्यमं
44	मारना	नोदियम
45	चिल्लाना	रागेयम
46	भगाना	नीजेमिम
47	हंसाना	नादब
48	प्रेम करना	मयावयम
49	पुचकारना	रागियम

50	बोलना	पोलियायम
51	खेलना	एनेजम
52	गिरना	उयूयन
53	कुदना	नीरेब
54	उठना	नीरेब
55	बैठना	दुबम
56	जम्हाई लेना	अंगोबतन्नी
57	छींकना	अचुतन्नी
58	आराम करना	लूड़जोम
59	पसीना आना	बल बल रतनते
60	दौड़ना	नीरे तनी
61	थकना	कियन्तेम
62	देखना	लेलतनी
63	दया करना	वायजम
64	कोध करना	रीशयनी
65	लड़खड़ाना	बुली मन्नी
66	हार जाना	घरामन्नी
67	जीत जाना	हारायनाय
68	हल चलाना	जीतायन्नी
69	पानी लाना	दया अगुते
70	बैल हांकना	एटेजियम
71	बीज डालना	पना या जगा तन्नी
72	घास उखड़ना	मरचा हेउेत अमीन तनते
73	पानी डालना	दअ अम तीरयीवा
74	चिडचिड़ाना	रीशरजोमते
75	चित्र बनाना	फोटो बईतनी

76	घर का कार्य करना	ओड़ह ते सेनूते
77	घर जाना	भोड़ा सेनते
78	दोपहर का भेजन करना	तीकिनरे केलवा जोमते
79	शाम का भोजन करना	सीयाड़ रे बीयाड़ी जोमते
80	सो जाना	गीतीई जोम
81	धान काटना	बाबा इर ते
82	गोबर उठाना	गोबोर ऐड़ा ते
83	पानी सिंचाई करना	दआ अरेजेते
84	दवाई डालना	रनुअम छिटकावन
85	मिसाई करना	उतेनएते
86	कुटाई करना	छुमागेते
87	चावल पकाना	बुजी इसीनते
88	सब्जी बनाना	साग इसीनते
89	दाल पकाना	दाएर इसीनते
90	कपड़ा धोना	सेरेंट सोबोटते
91	धान बेचना	बाबा केजा ते
92	कपड़ा खरीदना	फरिया इदी ते
93	तेल खरीदना	सुनुम इदी ते
94	इलाज कराना	इची चेक ऊतै
95	दवा खरीदना	रनु इदी ते
96	बाल कटाना	उब इची होयेन ते
97	दाढ़ी बनवाना	दाढ़ी इची होयेन ते
98	कंघि करना	नकीज ऊते
99	मालिस करना	मिसा वाई ते
100	घर बनाना	ओड़ा बईते
101	घर उजाड़ना	ओड़ा ऊजड़ते

102	कुआं खोदना	ढोडही लाते
103	बाड़ीबांधना	अड़ाते
104	तालाब खोदना	मुड़ा लते
105	बीमार पड़ना	आशुयनी
106	सर्दी लगना	कोमशा यनी
107	धूप लगना	सीतोंग तना
108	सिर दर्दकरना	बोहोआशु तना
109	पेट दर्द करना	लहि आशुतना
110	प्रसव होना	लेकोरीन तन्नी
111	लड़का होना	कोड़ा लिहिआलीहिवते
112	लड़की होना	कोड़ी लिहि होयकेना
113	छट्ठी करना	छठी बई तना
114	मरना	गोएयंनी
115	दाहक्रिया	तोपई ते
116	मृतक भोज करना	गोलहती मंडी जोम ते
117	अमुण्ड होना	नठामनी
118	शुद्ध होना	मंजा यना
119	गंगा स्नान होना	नई रे आउमअमिंडयते
120	कंजूस होना	जहंका हटिंग उतना
121	उदार होना	उदार रकेतनी
122	भीख मांगना	कोए तन्नी
123	लालची होना	लोब तन्नी
124	कपड़ा बेचना	फरिया के जानी
125	लाभ होना	जबोर चीज इदना
126	घाटा होना	जबोर होड़ी पालेना
127	तालाब में डूबना	तलाव रे बूड़ा यना

128	नदी में डूबना	नई रे यामुड़ी यना
129	भाग जाना	नीर यनाय
130	शिकार करना	दड़ा ते (चु नमते)
131	प्रणाम करना	जोहार तमहले
132	पांव पड़ना	पांव पड़ना
133	कड़वा	हड़त
134	मीठा	हेड़ेमतते
135	खट्टा	अमठतते (चिचरीते)
136	देवता	बोवा
137	पूजाघर	बोवावरा

कविता

एनेक तनी ओई

कइगोटा रंग–बिंद मानवाकू ओड़े ।
सुन्दर–सुन्दर न्यारी ओड़े ।।
उड़ावनी बहाकून थइते ओड़ेकू ।
अदनतना बड़ी दुलारी ओडै

बिर बिर दड़ानी

हाथी बोमेलेना झूमके,
ओते उमा को चूमके ।
कटते नीरे मोती है,
मेयेन्ते नीरे मोटी है ।।
कोसचार सेकम अ जोमतना,
सइंज मू अ एकलातना ।
हटअ लेका नहि लुतूर
लेलिपे लेलिपे नइि सान

अबूरेन्कू सोंग

इंगदो गितिकतन्ते,
इंग बिल्ली अदो बिरित केत दिइंज
हावड़ी केनाय म्याऊँ– मयाऊँ .....
इंगदो गितिकतनी,
इंग सेता अदो बिरित केत दिया ।
हावड़ी केनय भौं–भौं–भौं.....

गगमते (कहानी)

होन्ती म्याऊँ हावड़ीतना,
रोकड़े रमचूक भिन–भिन
होरामसीकू झाड़ी टर्र–टर्र रगेतना

मियन होन्तीपरकोम बेड़ा रे
गितीतन हपाके न ।
यन्तेसी सड़ी अजोमलेत सी, म्याऊँ,
होनती जलदी रीतलेन सी
दुबकेन नेशनएशन लेलतन,
कोसनअते आ सड़ी तना
जहारे दो बॅगकू तेहर ।

एनी ओड़ह अते उड़ूग लेनसी,
येहारे वोय लेना तभे दखा लेना
एनथेरे बरी झाड़ी रे मियन चुटु,
नीरेतन आयुट रे वोयकेन ।

होड़ीनोती कोकलीतन–चीलका अमहावड़ीतन म्याऊ ?
बानू इंगदो चीं–चीं अयमेनतना चूटकातुन
होन्ती बहा रे घरू थेरे पहुंचा ।
वहा थेरे मियन होरोमसरकू दुबकेन ।
होड़डीती कोलीतन चिल्वम अम कड़केन ते म्याऊँ ?
बनूँ इंगदो भिनभिन अंयमेतना ।

चेन्तसी हावड़ी फेर अजोकित म्याऊँ ।
मुड़ा थेरे धरी रे मियन रोकड़े दुबकेन धड़लेना ।
होड़डीती अदो रोकड़े अकीलीलेत,
चिल्का अम हावड़ी केनते म्याऊँ ?
इंगदो टर्र–टर्र अयं मेतना ।
फेर को ददेर अति वोयतना म्याऊँ?
कोम कड़केन म्याऊँ?

.....

कहानी
मियन भेदी बान्डो

नगरे कमयन आतुरे आकाल पड़ा लेना । दया नई कुआं मुड़ारे घला दुआ अंजेत अयन ऐन्तेसी रटेरहे । एक दिन भगवान ब्रम्हा, विष्णु, महेश कू अड़ो कू सलहा लेना येनतेसी शंकर भगवान थइते सेनूं लेंगत, आऊ येन दिन अड़ों मड़ी कून लेगत अड़ो । होड़क दिकू रंगेते कू गोय रना जम्मा झोड़ आतु बिर रेनकू चीकू–चीकूहो । इंजकाचरी कू थईन ते दुआ तताग तैतेमियन ओरिक गोयन । बन्डो हों रगेजतैतआ अंगा जब किज येन्तेसी आ हेजायतन नीम वरी अहन जोम जोम लहीते रे आ जोम पुटा किहन जोमता जागमता ओ बोलियन सीतांगते होड़ी नो ळूल का लोहोड़ संगियन उड़ूँगड ते बला कासतुवई अब येनादिनवरी भगवान कू सेनूतन ते शंकर भगवान थई ते कू सेनूतन होराते कू सेन हावड़ीयतन इमरनरे बन्डो अजोम नमकेत यनतेसी आ ठेकन केटकू भगवान करी मेनते अयन तेला तोरयन सीआ अपे कोकू भगवान कई तन अम कोय इंग कम ठेकर तना भगवान अय कोय अले हो भगवान कू चीलंग अम भेदी लेतना अम येतेट दे न दिन दआ अम् गमाय 7 दिन बॉनू सिर्फ ढाई दिन वरी ले इचा गमाय ने लेकिन अधुरे गम इचा गमाय तहा अले वन्डो रवा रेत दआ होयवों हेरेन । जहॅबानू । अले रवा तना क्वा दवा कावोजा ने तलंग दआ ढाई दिन तेलंग ते जबोर दआ उयुलेना गोड़ाकून पेरेज रयन नई पेरेज जन गुड़ा कुआॅ जम्मा पेरेजजन बन्डो सम ओरिक तूरयन नई सन्ते तयन अरो नई रे आ हपेन केन चीकु न लेल अगूजोमतन अरो आ लेलवोजे तनते हले ओरिक खुखरू तूवोयतन यन्तेसी तेलाकेत बन्डो कईतन अरी अरी कुमय होड़ी होड़ी अम हबे दजी एसु अलम जमामदा हवा हमीन चकड़इहीम अवा अगूमी, ऐनी पथीयन अड़ईवाई बन्ठो नीरयनतयन हवा हमीन चकड़ इहीम अथ अगूमी, ऐनी पथीयन अड़हवाई बन्डो नीरयन सी बड़ी जो आ जोमा दआ तंतांग लीजा एक दिन येना नई वटीआ सेनुयन दआ रे गेहेंतते नई तन तयन उड़ंग लेना कटारे चेप बन्ठो कईतन हाड़सी कुमान जेरी रेम सबगोयन नेऐ याकटा नीमम सप भेर बरी नीर रमन ऐन्नेवरी कुटीते ।

कहानी–रूपा हथी

1. होनती ओड़े चीची ओड़े ओड़ह रे जम्मा जनाडटकू ठेकनकूते ।

2. एनी रेनी जम्मा अते बेशो सोंग रूपा हथी (सइमू) एनी हर इतवार सेतारे, लिहिक कू अया देया रे दुप केत कूसी, अ दडाकू ।
को दिन को दिन चीची रूपा रे लुतुर रे आ सेन दुबा ।
आउ लिहिक कू रे सोंग सोग, जनादर कू लेलते अ सेना ।।

3. लेकिन तिसिंग चींची चिया लेललेदा ? रूप हथी कूसूत कूसूत आ इयोम हथ तना । टनी मिथन कोनहा रे, तेंगू केन थइलेना, आउ एनीरे जोहा तेते मेत दआ तूनतन सी, मर्चा रे उयूहपा केना । चिमेन्ते आ कइवतमीते रूपा ? चींची अदा वहकरअर लेलगी अ कोलीतन । इंग इंग चिमिन बेशो इदननिया, रूपा अदो गेहेंतते नोह, अ कईकेन । रंग दो मोटठा नोह तेंग, भूरूवा नोट टब लेका इदननियां । ऊँ ऊँ ऊँ
रूपा अलम इयोम आ चींचीं अदा कईकेन । इंग सेपेन्ते वरि अम लेंगत आउ बेशो नोह बईमी लेंगत आंय हेजाए तना, जहांअ आउ निनका मेनकेन सी चींचीं उडायन ।
चींचीं सेनूयन कुला थइते । जोहार तानू कुला । रूप तिसिंग लबोर उच्यंक इदननिया । अमानिया बेशो चमवगनतन धारी होडी जूवार जहू, एनी अम वोईयादा मेनते चहकावतसी अ कईकेना ।।

फेर उडालेनसी सोनू तेदुए थ्इ अः सेनलेन । अमा अ, रंगीनहा बूट रूपा अम एमईया मेनते अ कोलीतन ।

फेर चींची अदा राजा सराअ आउ मिट्टू रिपो अ कोली लेत ।
अम अम बेशो रंग रूपा अम एमईया ?

तानू आद सोनू राजा आउ रिपो जम्मा बगीचा रे रूपा थेरे सेनलेन सी , रूपा हथी नोहो हों मित कोनहा रे अ तेंगू केनसी सहेत उकूत हपा केना ।

एनकू जम्मा अपन अपन रंग रूप कू लेलतन । तानू रूपा रे देया अते जटंग लेनसी अ खसला लेना । रूपा रे देया रे जम्मा थई हेंदे तेहर दीते धारी परा रयन । सोनू अदो अया अ बूट रूपा रे कटा अ छपावय ।

रिपो एनी रे चलोम रे, चमकानतन हरियर धारी अ डालावयज ।।

आउ राजा अदो एनीरे सोंएट तेरे नील आउ बैंगनी रंग वोजोवज ।

रूपा इयोमते अ बगीकेत । एनी चनार किशन मेतते अ दंडा लेतसी आयतहों अ लेल लेलसी । एनी जबोर अ मोन लेना । एनी आयहो आयत लेंगत भारी अ घमड लेना । इंदवदा निंगका बेशो थईआंय लेना, जिसे का बिहा ऐ, सजू हपावत लेका, एनी हेजा हपा केना अब लिहिक कू इंगदो खूब्बूप मोनवंहा दिया गिदा नू ।

फेर एटाते दिन लिहिककू हथी चेतान रे कूटुब लेन सी ओडे ओडह कू वोयलेन । हाये भगवान निगसा चिलका वोययनते ? एनी मोनवा भूर्वा हथी रूपा मेन उडूंगमन ? निंगका धरीवाली धब्बा कोजोवतमी बेशो नोइ क्वाअते अम वोयकेन? होडी लिहिक कू दोकू बोरोरयन । हूं हूं हूं वरि अ दयोम केन । नीरजोम पे कबिज जनाउर कू । इंगदो ईयांनी रूपा वरि चहि ।

रूपा इयोम पिहिल रिकेन । अब चिलकन तेज ?

फेर एनकू मित उपाय कू हेजा लेदा एनी ठट से वरि आप थेरे वरि बहा रे तलैया रे अ नीर रकपयन । सोंएट तेरे दआ पेरेक पेरेक सी चोरा शन खब्बू अ सिया लेदा । जम्मा रंग हरदी ..... हरियर नीला ... आउ बैगनी. अधरी आउ धब्बे जम्मा छोवा

रूपा बहिर रे उडूंग लेनसी अधूरे लेका थईलेका सब दिन भूर्वा । लेलये लेलये लिहिककू मोननोहवा लेनसी तितेकू चटअलेत सी कईकेन एनी अबूरेनी रूपा ।

रूपा इमिन वरि, इमिन एसू रंग अम कोरे अम लगा अगूलेत ते? लिहिककू अदो कोलीलिजा । एलाबू इंग अपे ईयांकू सोंग कूला आंय मिला पे, एनरंग लेंगत रंग एम हपा वतदियां रूपा काईकेना । लिहिककू हथरी रे देया रे देजसेनूयन । चींचीं ओडे ओडह चहकालेना । रूपा रे लूतूर दुब रयन ।

फेर एनी चलायन ओडे ओडह रे आद जनाउर लो अ मिलालेना।

इंआ ओड़ह (मेरा घर)

(कार्यशाला रायगढ़ की प्रस्तुति– दिनांक 30.04.07)

चीमीन बेसो इंआ ओड़ह ।
बहा कून इदना इंआ ओड़ह ।
बेसोनो केई गोटा बहाकून इंदना ओड़ह ।
अले मज्जाले अदायतना ओड़ह ।
मोनवा मोनवा इंआ ओड़ह

..0..

ओड़ह थेरे वरि इदना स्कूल ।
इंग पढ्ढाते ऑय सेना ।
मोनते वरि पढ़ाना ।
मरंग साहब आंय बईना अपा ।

..0..

इंग साहब बईयाना ।
साहब बईयनसी कोलका अनई अदायतना ।
लिहिककू अपेहो खब्बू पे पढ़ाना ।
पढ़ा लिखालेन्सी इंग लेका साहब पे बनईना ।

..0..

इंआ ओड़ह (मेरा घर)
बिरहोर जनजातिबोली

(कार्यशाला रायगढ़ की प्रस्तुति– दिनांक 30.04.07)

इंग शनि गिदा ।
नेड़े इंआ ओड़ह इदना ।
ओड़हरे, थेरे मियन मुड़ा इदना ।
इंग थेरे वरी नायिल धरू इदना ।

इंग ददा बाई आउ छुटकी लो थईनतना ।
छुटकी इआनी मिसी ती इदना
ओड़ह रे कालू हों थइनतना ।
कालू इआनी सेता गिदा

छुटकी इंग आउ कालू लो लींग एनेकतना ।
ततातें चीकून चीकून अ, ते सेनूतना ।
लाई जोम जोम लेगत इसीनतना ।
इंग स्कूल ऑय सेनूतना ।
छुटकी रचा बारी सेनूतना ।
अलेजम्मा खुश इदनले ।

बिरहोर गगमते
भेदी होड़

एक दिन मियन होड़ कटकोमकू सपते अ, सेनूतन होरा रे कला लो किन नपमयन कुला होड़ अ कोलीतन बर्या कटावनी कोतेमते ।

चार गोटा कटावनी इंग सेनूतन्ते दस गोटा कटावनी सपते ।

कुला हेजा लेदा चीममरंगती नेहे अ।
सबा, लोडोकेन तेयम तेयम ।

होड़ बिर–रे नई रे अ, सेनलेन सी
कटकोमकू सपतन कुला लेलकीज सी ठेकन
केत सी अटुरीतज।

कुटिते

धरू

बिरहोर जनजाति बोली–बिरहोर

(कार्यशाला रायपुर दिनांक 19.07.07 प्रस्तुतीकरण कोरबा)

इंग मना धरू इंदनिया ।
बिरहोर कू इंगलो
पलानतना इंदना ।

जब इंग होडी नोह
आय थइनातना ।
हेल्ता कू में तेगतना ।
बिरहोर कू साग बेशो
कू मोनवइंगतना ।

जब मरंग आंय होय
लेन तहां ओड़ह रे सडिम
रे काम रे आयंवोय तना ।
टुकनी हटअ झाउहा
झापी आंय बइनतना ।
केजा लेनसी बिरहोर कू
आय पला तना ।

धरू

बिरहोर जनजाति बोली–बिरहोर

(कार्यशाला रायपुर दिनांक 19.07.07 प्रस्तुतीकरण कोरबा)

इंया ओड़ह रे मियन सीम इदना अऊ
ओड़ह थेरे बोर पेड़ इदना होडी नोह
सीम बोर उयू लेना । बोहोव तेरे वो लेन
सी सीम । वोयलेन सी सीम आ उदूवदा ।
नीरजोमम नीरजोमम इंया बोहोव रे,
सिरमा उयूतन्ते मी दुंडा बोहोवगींज रे उयूलेना ।
नीरता–नीरता कोकरो जबकेपसी
अ कइतन अपे ची लेंगत पे नीरे तन्ते ।
होनती सीमा कइतना नीरजोमम निरजोमम
सिरमा उयु तनते । नीरता–नीरता भदख
कू जब केत, एनी कोलीतन ।

अपे चील्का पे नीरजोम तन्ते कोकरो
कइतन नीरजोमम–नीरजोमम सिरमा उयूतन्ते ।
अंतेसी जम्मा कू नीरेतन । मरअ कू जबकेत ।
एनी कोलीतन । अपे जम्मा ची लेंगत पे नीरेतना ।
तन्ते, नीरजोमम अम हों । सिरमा उयूतन्ते मी दुंडा इंया
बोहोव रे उयूलेना ।
इमिन रे जम्मा कू बोरोयन सी कू नीरेतन वरि ।
नीरता–नीरता मियन चेटोम बंडो कू जब लेदा ।
बंडो कोलीतन ?अपे चीलेगत पे
नीरे तन्ते, मरअ कइतन सिरमा खंडा
दुंडा उयू तन्ते ।
अले राजा थईतेलेते उदूवदू वईलेंगते ।
बंडो कइतन एलाबू नेते राजा ओड़ह ने
सन रे इदना अ भेदी अगूकेतकु अया ।
ओड़ह रे सी जोम रकेतकू कूटीतेरे उडूंग आय उतना

कार्यशाला– रायपुर (18.07.07)

Small Book

बिरहोर–कोरबा

इंग तुलसी जम्मा
रे रचा रे आयं
नमूतना ।

जहां ए कोमसा
खुखु उ होयन
तनसी ।
काढ़ा आयं बइन
तनसी एके घरी
बेशो रजोम तनाये ।

होड़कू थेरे आयं
इचा मगुतना
बलदा रे एनी
परान आयं ए मई
तना ।

Fact Chart

करम तिहार सतिका

होड़ समाज रेअकघन महिना रेकरम कू
मनाये तना । आऊ आतु रेनी बैगा सेताअते
अ उपास थइन तना ऑऊ सियांड तेसन
करम डार कू मआ अगूतना बिर अते
आऊ करम रे रूपते कू सिरिंगतना एनेकतना
आतु रेनी बैगा रचा रेकू गड़ायतना आऊ ।
तीन दिनजहू कू दो बोयतना अनते सीकू
जम्मा लिहिक हड़म सेडेपत एनेकतना ।
अनतेसी कू नई चहे मुड़ा रे ईडाटूतना ।

अनुभव कहानी पैरेकएना(बाढ़)

1. दआ चनार सन दआ हो दआ ।
2. अदा रे जम्मा बुड़ायना ।
3. दआ रे बोंवा हो बुड़ायना ।
4. दआ जीव इदना दआ जीव हों इदिकेतना ।
5. होड़कू बंचा लेंगतते डोंगा आऊ उडानतन जहाज वोयकेना ।